

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

दिनांक 12.6.2019 पृष्ठ सं 22 कॉलम 3-6

दिनांक 12.6.2019 पृष्ठ सं 22 कॉलम 3-6

हकूमि को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए मिला बेस्ट सेंटर अवार्ड

आंध्रप्रदेश में हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति वैकेया नायडू ने किया सम्मानित

जगरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वय अनुसंधान परियोजना की संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति वैकेया नायडू ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवार्ड प्रदान करके सम्मानित किया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कैपी सिंह ने बताया कि सघन फसल प्रणाली के लिए उपयुक्त उच्च पैदावार, रोग प्रतिरोधक और शीघ्र पकने वाली छोटी अवधि की फसल किस्मों का विकास इस विश्वविद्यालय में निरंतर जारी है। उन्होंने कहा यहां के वैज्ञानिकों ने देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न ऋतुओं में बीजाई के लिए दलहनों की कुल 34 उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनमें मूँग की 6, चना की 15, मटर की 7, मसूर की 3, अराहर की 2 और उर्द की एक किस्म शामिल है।

हाल ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूँग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जौन में जबकि चना एचसी 6 को हरियाणा राज्य व एचसी 7 को उत्तर पश्चिमी मैदानी जौन में खेती के लिए चिह्नित किया गया है। कुलपति ने कहा



उपराष्ट्रपति वैकेया नायडू से अवार्ड लेते हुए हकूमि वैज्ञानिक। • जगरण

कि विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग किस्में उपरोक्त अनुभाग ने विभिन्न राज्यों में विभिन्न फसल प्रणालियों के तहत खेती के लिए मूँग की अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी किस्में - आशा, मुस्कान, सत्या, बसंती, एमएच 421 और एमएच 318 किस्में उपरोक्त अनुभाग ने विकसित की हैं जोकि हरियाणा प्रदेश ही नहीं अपितु देशभर में बहुत लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग पूरे देश में अग्रणी है। यह दूसरा अवसर है जब हकूमि के दलहन अनुभाग को मूँग वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

अंतर्गत है जिसमें मूँग की हिस्सेदारी 1.5 से 2 है, फिर भी देश के विभिन्न राज्यों के अतीत में देश के विभिन्न भागों में विभिन्न किसानों ने हकूमि की किस्मों को खुले हाथों से अपनाया है और अब देश में मूँग मूँग की अंतर्गत कुल क्षेत्र के 24 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में एमएच 421 की खेती की जा रही है। दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डा. अशोक छावड़ा ने कहा कि विभिन्न दलहन फसलों की किस्मों के विकास में इस विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग पूरे देश में अग्रणी है। यह दूसरा अवसर है जब हकूमि के दलहन अनुभाग को मूँग

पर किए गए सराहनीय कार्य को मान्यता दी गई है। इससे पूर्व मूँग अनुसंधान में इसके उल्लेखनीय कार्यों के लिए आईसीएआर बेस्ट टीम अवार्ड - 2008 से सम्मानित किया गया था।

यहां उल्लेखनीय है कि उपरोक्त बेस्ट सेंटर अवार्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डा. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया। इस अवार्ड के लिए हकूमि के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहायते ने मूँग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम रुक्षभूमि उजाला
दिनांक 12-6-2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 3-8

उपलब्धि

उपराष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश में आयोजित एक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय को किया सम्मानित

हकूमि को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए मिला अवॉर्ड

अमर उजाला ब्लूग

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकूमि) को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेटर अवॉर्ड-2018 प्रदान किया गया है। आपार्य एनडी रेल कृषि विश्वविद्यालय गुरु, ओडिशा में अखिल भारतीय सर्वोन्नत अनुसंधान परियोजना की वार्षिक मध्यम बैठक में उपराष्ट्रपति वैकेन्या नायडू ने हकूमि के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संमुक्त रूप में यह अवॉर्ड प्रदान किया।

हकूमि के कुलपति प्रौ. केरी सिंह ने बताया कि यहां के वैज्ञानिकों ने देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न रक्तुओं में विजार्ड के लिए दलहनों की कुल 34 उन्नत किस्में

विकसित की हैं, जिनमें मूँग की छह, जना की 15, मटर की 7, ममूर की 3, अमर की 2 और उड़द की एक किस्में सम्मिल हैं। इन ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूँग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर-पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जौन में, जबकि जना एचसी 7 को उत्तर-पश्चिमी यैदानी जौन में खेली के लिए विकसित किया है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग ने देश के विभिन्न भागों में विभिन्न फसल व्यावरणों के तहत खेली के लिए मूँग की अविवृत यैदानां देने वाली ये प्रतिक्रिया किस्मों वैज्ञानिकों की कृति है।

इससे पूर्व मूँग अनुसंधान में इसके उत्तरेतनीय कामों के लिए अवॉर्ड-आर्डर बेस्ट टीम अवॉर्ड-2008 से सम्मानित किया गया था। यहां उत्तरेतनीय है कि उपरोक्त बेस्ट सेटर अवॉर्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया।



उपराष्ट्रपति वैकेन्या नायडू से अवॉर्ड लेने हकूमि वैज्ञानिक। - अमर उजाला

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम प्रौद्योगिकी का मासिक
दिनांक 12.6.2019. पृष्ठ सं. 2 कॉलम 6-7

एचएयू को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए मिला बेस्ट सेंटर अवॉर्ड

वैज्ञानिकों ने विभिन्न ऋतुओं के लिए दलहनों की 34 उज्ज्वल किस्में विकसित की

मासिक न्यूज़। हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवॉर्ड-2018 दिया गया है। अवॉर्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश यादव ने उप राष्ट्रपति से प्राप्त किया। आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की संपत्र हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति वैकेया नायडू ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवॉर्ड प्रदान करके सम्मानित किया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि सघन फसल प्रणाली के लिए उपयुक्त उच्च पैदावार, रोग प्रतिरोधक और शीघ्र पकने वाली छोटी अवधि की फसल किस्मों का विकास इस विश्वविद्यालय में निरंतर जारी है। इस अवॉर्ड के लिए हकूमि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने मूँग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी। एचएयू के वैज्ञानिकों

ANNUAL CONVENTION OF PULSES ON
IULLaRP & ARID LEGUMES-2019

INSTITUTE OF PULSES RESEARCH AGRICULTURE H.D. HARGA AGRICULTURAL UNIVERSITY
MATHURA, UTTAR PRADESH LAIN, VYASNA, ARKOTIA, UTTAR PRADESH



एचएयू के वैज्ञानिकों को सम्मानित करते उप राष्ट्रपति वैकेया नायडू।

ने देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न ऋतुओं में बिजाई के लिए दलहनों की कुल 34 उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनमें मूँग की 6, चना की 15, मटर की 7, मसूर की 3, अरहर की 2 और उर्द की एक किस्म शामिल हैं। हाल ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूँग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जोन में जबकि चना एचसी 6 को हरियाणा राज्य व एचसी 7 को उत्तर पश्चिमी मैदानी जोन में खेती के लिए चिह्नित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम
दिनांक 12.6.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 3-5

हकूमि को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए गिला बेस्ट सेंटर अवार्ड

हरियाणा न्यूज़ || हिसार

हकूमि को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटुर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय

■ हकूमि ने स मन्त्र त
दलहनों की अनु संघा न
34 किस्में परियोजना की
विकसित की संपन्न हुई

वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति वैकेया नायडू ने हकूमि के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवार्ड प्रदान करके सम्मानित किया। हकूमि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि विवि के वैज्ञानिकों ने देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न ऋतुओं में बीजाई के लिए दलहनों की कुल 34 उन्नत किस्में विकसित की हैं। जिनमें मूँग की 6, चना की 15, मटर की 7, मसूर की 3, अरहर की 2 और उदं की एक किस्म शामिल हैं। हाल ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूँग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर पश्चिमी और

उत्तर पूर्वी जोन में, जबकि चना एचसी 6 को हरियाणा राज्य व एचसी 7 को उत्तर पश्चिमी मैदानी जोन में खेती के लिए चिन्हित किया गया है।

आशा और गुरुकान देशभार ने लोकप्रिय

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग देश में मूँग प्रजनन का एक प्रमुख केंद्र है। अतीत में देश के विभिन्न भागों में विभिन्न फसल प्रणालियों के तहत खेती के लिए मूँग की अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी किस्में-आशा, मुस्कान, सत्या, बसंती, एमएच 421 और एमएच 318 किस्में उपरोक्त अनुभाग ने विकसित की हैं जोकि हरियाणा देशभर में बहुत लोकप्रिय हैं।

देशभार ने 24 फीसदी एमएच 421 की खेती

हरियाणा एक बहुत छोटा राज्य है जहां केवल 1 से 1.5 क्षेत्र दलहनों के अंतर्गत है। जिसमें मूँग की हिस्सेदारी 1.5 से 2 है, फिर भी देश के विभिन्न राज्यों के किसानों ने हकूमि की किस्मों को खुले हाथों से अपनाया

है। अब देश में मूँग के अंतर्गत कुल क्षेत्र के 24 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में एमएच 421 की खेती की जा रही है।

2008 में भी गिला था बेस्ट अवॉर्ड

दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा ने कहा कि विभिन्न दलहन फसलों की किस्मों के विकास में इस विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग पूरे देश में अग्रणी है। उनके अनुसार यह दूसरा अवसर है जब हकूमि के दलहन अनुभाग को मूँग पर किए गए सराहनीय कार्य को मान्यता दी गई है। इससे पूर्व मूँग अनुसंधान में इसके उगेखनीय कार्यों के लिए आईसीएआर बेस्ट टीम अवार्ड-2008 से सम्मानित किया गया था।

उपराष्ट्रपति ने प्रदान किया अवॉर्ड

यह बेस्ट सेंटर अवार्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया। इस अवार्ड के लिए हकूमि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहायत ने मूँग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पड़ोन्व कैसरी
दिनांक 12.6.2019 पृष्ठ सं. ५ कॉलम 7-8



उपराष्ट्रपति वैकेया नायडू से अवार्ड लेते हुए हक्कि वैज्ञानिक।

हक्कि को मिला बैस्ट सेंटर अवार्ड

हिसार, 11 जून (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बैस्ट सेंटर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की सम्पन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति वैकेया नायडू ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवार्ड प्रदान करके सम्मानित किया। उपरोक्त बैस्ट सेंटर अवार्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डा. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया। इस अवार्ड के लिए हक्कि के कुलपति प्रो.के.पी.सिंह और अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत ने मूँग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम निटप इनिंग्स
दिनांक 11.6.2019 पृष्ठ सं. 8 कॉलम 1-6

मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए हक्की को मिला बेस्ट सेंटर अवार्ड

हिसार, 11 जून (निस)। वाली छोटी अवधि की फसल हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति श्री वैकेया नायडू ने

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवार्ड प्रदान करके सम्मानित किया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने उत्तर पश्चिमी मैदानी जौन में खेती के लिए चिन्हित किया गया है। के लिए उपयुक्त उच्च पैदावार, कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग

देश में मूँग प्रजनन का एक प्रमुख केन्द्र है। अतीत में देश के विभिन्न भागों में विभिन्न फसल प्रणालियों के तहत खेती के लिए मूँग की अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी किस्में-आशा, मुस्कान, सत्या, बसंती, एमएच 421 और एमएच 318 किस्में उपरोक्त अनुभाग ने विकसित की हैं जिनमें मूँग की 6, चना की 15, मटर की 7, मसूर की 3, अरहर की 2 और उदं की एक किस्म शामिल हैं।

हाल ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूँग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर केवल 1 से 1.5 प्रतिशत क्षेत्र दलहनों के अंतर्गत है जिसमें मूँग की हिस्सेदारी 1.5 से 2 प्रतिशत

हरियाणा राज्य व एचसी 7 को किसानों ने हक्की की किस्मों को खुले हाथों से अपनाया है और अब देश में मूँग के अंतर्गत कुल क्षेत्र के 24 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र



में एमएच 421 की खेती की जा दूसरा अवसर है जब हक्की के था। यहां उल्लेखनीय है कि दलहन अनुभाग को मूँग पर किए उपरोक्त बेस्ट सेंटर अवार्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त विभिन्न दलहन फसलों की किस्मों के विकास में इस विश्वविद्यालय इसके उल्लेखनीय कार्यों के लिए के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके का दलहन अनुभाग पूरे देश में आईसीएआर बेस्ट टीम अवार्ड - सहरावत ने मूँग अनुसंधान में जुटी इससे पूर्व मूँग अनुसंधान में किया। इस अवार्ड के लिए हक्की के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके अग्रणी हैं। उनके अनुसार यह 2008 से सम्मानित किया गया वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पाठ्यक्रम
दिनांक ।।। 6। 20।।। पृष्ठ सं ।।। कॉलम ।।।

हकूमि को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए मिला बेस्ट सेंटर अवार्ड

हिसार, 11 जून (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, मुंगर, आंध्रप्रदेश में अग्रिम भारतीय सम्मानित अनुसंधान परियोजना को संभाल हुई वार्षिक समझौते के अंतर्गत श्री बैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूँग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जौन में बवाकि चना एचसी 6 को हरियाणा राज्य व एचसी 7 को उत्तर पश्चिमी मैदानी जौन में खेती के लिए चिन्हित किया गया है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग देश में मूँग प्रबन्धन का एक प्रमुख केन्द्र है। अतीत में देश के विभिन्न भागों में विभिन्न फसल प्रणालियों के तहत खेती के लिए मूँग की अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी किस्में - आला, मुस्कान, सत्या, बसंती, एमएच 421 और एमएच 318 किस्में उपरोक्त अनुभाग ने विकसित की है जोकि हरियाणा प्रदेश ही नहीं अपितु देशभर में वैज्ञानिकों ने देश के विभिन्न राज्यों

में विभिन्न क्षेत्रों में जोआई के लिए दलहनों को कुल 34 उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनमें मूँग की 6, चना की 15, मटर की 7, मसूर की 3, अरहर की 2 और ढार्ड की एक किस्म शामिल हैं। हाल ही में दलहन वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मूँग की नई किस्म एमएच 1142 को देश के उत्तर पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जौन में बवाकि चना एचसी 6 को हरियाणा राज्य व एचसी 7 को उत्तर पश्चिमी मैदानी जौन में खेती के लिए चिन्हित किया गया है।



बहुत सोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा है कि विश्वविद्यालय दलहन अनुभाग को मूँग पर किए गए सराहनीय कार्य को मान्यता दी गई है। इससे पूर्व मूँग अनुसंधान में इसके उल्लेखनीय कार्यों के लिए आईसीएआर बेस्ट टीम अवार्ड - 2008 से सम्मानित किया गया था। यहां उल्लेखनीय है कि उपरोक्त बेस्ट सेंटर अवार्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया। इस अवार्ड के लिए हकूमि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहायत ने मूँग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों को टीम को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिरी पल्स
दिनांक 11.6.2019 पृष्ठ सं. ३ कॉलम ६

हक्की को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास के लिए मिला बेस्ट सेंटर अवार्ड

सिरी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मूँग की उच्च उपज वाली किस्मों के विकास में योगदान के लिए बेस्ट सेंटर अवार्ड-2018 प्रदान किया गया है। आचार्य एनजी राहा कृषि विश्वविद्यालय, गुरु आग्रह प्रदेश में अखिल भारतीय सम्बन्धित अनुसंधान परियोजना की संपन्न हुई वार्षिक समूह बैठक में उपराष्ट्रपति बैंकेया नाथडू ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर को संयुक्त रूप में यह अवार्ड प्रदान करके सम्मानित किया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि संघर फसल प्रणाली के लिए उपयुक्त उच्च पैदावार, रोप प्रतिरोधक और शीघ्र पकने वाली छोटी अवधि को फसल किस्मों का विकास इस विश्वविद्यालय में निरंतर जारी है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग देश में मूँग प्रजनन का एक प्रमुख केन्द्र है। अतीत में देश के विभिन्न भागों में विभिन्न फसल प्रणालियों के तहत सेती के लिए मूँग की अधिक पैदावार देने वाली रोप प्रतिरोधी किस्में - आसा, मुरकान, मस्ता, बरसती, एमएच 421 और एमएच 318 किस्में उपरोक्त अनुभाग ने विकसित की हैं जोकि हरियाणा प्रदेश ही नहीं आपने देशभर में बहुत लोकप्रिय है।

उन्होंने कहा हलाक, हरियाणा एक



हिसार। उपराष्ट्रपति बैंकेया नाथडू से अवार्ड लेते हुए हक्की वैज्ञानिक।

दलहनों की कुल 34 किस्में की विकसित

उन्होंने कहा यह के ऐजेन्सियों ने देश के विभिन्न राज्यों ने विभिन्न क्षेत्रों में विजैर्ड के द्वारा दलहनों की कुल 34 उन्नत फिल्स विकसित की है जिनमें मूँग की 6, छान की 15, मटर की 7, मसू की 3, अदहर की 2 और उट की एक फिल्स ताजिल है। हाल ही में दलहन ऐजेन्सियों द्वारा विकसित मूँग की नई फिल्स एक्सी 1142 को देश के उत्तर पश्चिमी ओर उत्तर पूर्वी जोल व जलकि धान एक्सी 6 को हरियाणा राज्य व एक्सी 7 को उत्तर पश्चिमी जैदानी जोल व खेती के लिए विकसित किया गया है।

महत छोटा राज्य है जहां केवल 1 से 1.5 प्रतिशत क्षेत्र दलहनों के अंतर्गत है जिसमें मूँग की हिस्सेदारी 1.5 से 2 प्रतिशत है, फिर भी देश के विभिन्न राज्यों के किसानों ने हक्की की किस्मों को सुनी हाथी से अपनाया है और अब देश

में मूँग के अंतर्गत कुल क्षेत्र के 24 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में एमएच 421 की खेती को जा रही है।

दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक छावड़ा ने कहा कि विभिन्न दलहन फसलों की किस्मों के विकास में

इस विश्वविद्यालय का दलहन अनुभाग पूरे देश में अग्रणी है। उनके अनुसार यह दूसरा अवार्ड है जब हक्की के दलहन अनुभाग को मूँग पर किए गए संस्थानीय कार्य को मान्यता दी गई है। इससे पूर्व मूँग अनुसंधान में इसके डिजिटल ताजिल कार्यों के लिए आईसीएआर बेस्ट टीम अवार्ड - 2008 में सम्मानित किया गया था।

यहा उल्लेखनीय है कि उपरोक्त बेस्ट सेंटर अवार्ड दलहन अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेश यादव ने उपराष्ट्रपति से प्राप्त किया। इस अवार्ड के लिए हक्की के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के सहयोगी ने मूँग अनुसंधान में जुटी वैज्ञानिकों को टीम को बधाई दी।